डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 238 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 14 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया


## आकाशीय बिजली ने ढाया कहर

### एक दर्जन बकरियों की मौत, पिथ्याखेड़ी और नाहरगढ़ में दो जन घायल

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** शुक्रवार शाम बारिश और आंधी तूफान के साथ कई जगह पर आकाशीय बिजली भी गिरी। जिससे यशोधर्मन थाना क्षेत्र के ग्राम पीथ्यखेड़ी में 10 - 12 बकरियो की मौत हो गई, वहीं एक किशोर के घायल होने की खबर है। इसके अलावा नाहरगढ के समीप ग्राम पाडल्या मारू के खेत में आकाशी बिजली गिरने से हरिओम नमक युवा चपेट में आ गया। उसे प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां से मंदसौर के बडे अस्पताल रेफर किया गया।

## कहीं राहत नहीं... गर्मी के बीच बिजली-पानी का तनाव...!

# रात में बिजली जगा रही, सुबह पानी की टेंशन

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** गर्मी के रूप में आसमानी आफत से फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद कम है। लेकिन, जमीन पर बिजली और पानी जैसी समस्या गर्मी में तनाव को और ज्यादा बढ़ा रही है। मामला है बिजली कटौती और कई क्षेत्रों में पानी की समस्या का। चूंकि जलस्त्रोत जवाब दे चुके हैं। चंबल योजना वैसे ही उम्मीदों पर खरा नहीं उतरी है। चंबल योजना से फिलहाल 18 एमएलडी की बजाय महज 12 एमएलडी ही पानी पहुंच रहा है। इसके चलते भी नपा को शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए मशक्कत करना पड़ रही है। ऐसे में पानी के टैंकर कई जगहों पर मजबूरी बने हुए है। वहीं बिजली कटौती की बात करें तो गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात जहां भयंकर उमस से लोग जूझ रहे थे। वहीं खानपुरा और किटीयानी सहित शहर के कई इलाकों में बिजली बंद होने से लोगों के गर्मी से हाल बेहाल थे। यहीं स्थिति शुक्रवार दोपहर बाद भी हुई।

### तीन सौ से पांच सौ रुपए प्रति टैंकर...

गर्म हवाओं के थपेड़ों के बीच एक माह बाद दिन का पारा फिर से 41 डिग्री के पार पहुंच गया है। हीटवेव के अलर्ट के बीच गुरुवार -शुक्रवार को जनजीवन प्रभावित रहा। इधर, बढ़ती गर्मी के बीच पानी की खपत बढ़ने व नलों से पर्याप्त पानी नहीं आने के कारण टैंकरों की मांग भी दोगुना बढ़ गई है। लोगों को मजबूरन 300 से लेकर 500 रुपए में टैंकर डलवाना पड़ रहा है। औसतन शहर में रोजाना 150 से ज्यादा टैंकरों से लोग पानी डलवा रहे हैं। शहर के खानपुरा, कालाखेत व शहरी क्षेत्र में लो प्रेशर व पर्याप्त पानी नहीं पहुंचने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

### इधर बिजली विभाग कर रहा लोगों को परेशान...

एक और गर्मी अपने पूरे पॉवर में है, वहीं दूसरी तरफ बिजली विभाग लोगों का दम निकालने पर तुला हुआ है। लो वोल्टेज और विद्युत कटौती के बीच गर्मी का सामना करना मुश्किल हो रहा है। विशेषकर बच्चों को लेकर खासी परेशानी लोगों को हो रही है। बीती रात खानपुरा, किटीयानी सहित कई जगहों पर बिजली गुल रही। जिससे लोगों को रात निकालना भारी पड़गया। कई जगहों पर लोग रात में घरों के बाहर घूमते हुए नजर आए। मंदसौर में करीब दो लाख से ज्यादा बिजली कनेक्शन धारक हैं। इसमें सर्वाधिक संख्या मंदसौर शहर की है। अंचल के साथ-साथ अब शहर में भी बिजली से जुड़ी समस्या बढ़ती जा रही है। शहर की प्रेम कॉलोनी, यशनगर, मेघदूत नगर सहित मंडी रोड के आसपास का इलाका और रामटेकरी क्षेत्र के सिद्ध चक्र विहार कॉलोनी सहित अन्य क्षेत्रों में भी स्थित खराब है। यहां के लोगों का कहना है कि बारिश तो दूर हवा शुरू होने से पहले ही बिजली गुल हो जाती है। बारिश के दौरान तो ठीक सामान्य दिनों में भी लो-वोल्टेज और बिजली कटौती के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बीते दिनों सिद्ध चक्र विहार में रात के समय लंबे समय तक बिजली बंद रही। लोगों को रात 12 बजे घरों के बाहर निकलना पड़ा। काफी इंतजार के बाद बिजली आई।

### एक घंटे में पहुंच रही दस शिकायतें...

प्री-मानसून मेंटेनेंस के बावजूद बिजली से जुड़ी शिकायतें कम नहीं हो रही हैं। एक माह से शहर के आधे हिस्से में लो-वोल्टेज की परेशानी तो है ही कटौती भी की जा रही है। इसे लेकर कंपनी के पास एक घंटे में करीब 10 से ज्यादा शिकायतें भी पहुंच रही हैं। लोगों का कहना है कि तेज तपिश के बीच बिजली की समस्या से परेशानी कई गुना बढ़ गई है।

## शुक्रवार दोपहर तक तेज तपन, फिर बारिश और उमस...

इन दिनो मौसम लगातार अलग-अलग रंग दिखा रहा है। नौतपा में बारिश तो गर्मी से राहत, वहीं प्री मानसून के समय नौतपा की तरह गर्मी का असर महसूस किया जा रहा है। अभी गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। शुक्रवार को मौसम ने अलग-अलग रंग दिखाए। सुबह से दोपहर तक गर्मी से लोगों के हाल बेहाल रहे। रोजाना की तरह बाजार से रौनक गायब रही। लोग जरुरी होने पर ही घर से बाहर निकले। लेकिन, दोपहर बाद बारिश का दौर शुरु हो गया। शहर में खंड वर्षा के रूप में बारिश हुई। कहीं पद्रह मिनट से आधे घंटे तक तेज बारिश हुई तो कहीं बूंदबांदी का दौर चला। इसी तरह से जिले के मल्हारगढ, पिपलिया मंडी सहित अन्य क्षेत्रों में भी बारिश का दौर चला। इसके बाद आसमान पर बादल छाए रहे। बारिश के बाद उमस और ज्यादा बढ़ गई। इधर मध्यप्रदेश में 15 और 16 जून को भारी बारिश का अलर्ट है।

प्रदेश के दक्षिणी हिस्से के पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, खंडवा में 24 घंटे में ढाई से 4.5 इंच तक बारिश हो सकती है। इसी दौरान मानसून भी प्रदेश में एंटर हो जाएगा। हालांकि, इससे पहले शुक्रवार को उज्जैन, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग के 12 जिलों में लू का अलर्ट रहा। पिछले 15 दिन से मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ में एक ही जगह पर ठहरा है। इस वजह से एमपी में इसकी एंट्री नहीं हो पाई है। हालांकि, अब मानसून के सक्रिय होने की हलचल तेज हुई है। ऐसे में मौसम विभाग ने 14-15 जून को मध्य और पूर्वी भारत के हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के एंटर होने की संभावना जताई है। मानसून के प्रवेश की सामान्य तारीख 15 जून ही है। पिछले साल यह 21 जून को एंटर हुआ था। मौसम विभाग की माने तो 14 जून को प्रदेश के आधे से ज्यादा हिस्से में गरज-चमक और बारिश के आसार है। वहीं, 15 और 16 जून को दक्षिणी हिस्से में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। यानी, मानसून इन्हीं दो दिन के अंदर प्रवेश करेगा।

# मंदसौर में वीआईपी कल्चर का दिखा अनोखा रंग..!

## मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की गाड़ी पर लगे हूटर, नंबर प्लेट गायब

### सो रहा है यातायात विभाग का अमला

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** आम नागरिकों के लिए बनाए गए नियम कायदों की धज्जियां उड़ाते हुए मंदसौर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) का वीआईपी रवैया एक बार फिर चर्चा में है। हाल ही में शहरवासियों की नजरें उस वक्त चुंधिया गई, जब स्वास्थ्य विभाग के इस उच्चाधिकारी की गाड़ी पर हूटर लगा हुआ देखा गया। यह सीधे-सीधे केवल नियमों की अवहेलना ही नहीं है, बल्कि वाहन की पिछली नंबर प्लेट भी गायब हैं, जो गंभीर कानून उल्लंघन की श्रेणी में आता है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017 में जारी संशोधित मोटर वाहन अधिनियम और नियमों के तहत किसी भी शासकीय या गैर-शासकीय अधिकारी को अपने निजी या विभागीय वाहन पर हूटर या सायरन लगाने की अनुमति नहीं है। यह सुविधा केवल आपातकालीन सेवाओं जैसे एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन, पुलिस या आपदा प्रबंधन के वाहनों के लिए आरक्षित है। विशेष परिस्थितियों में ही गृह विभाग की

पूर्व अनुमति से झेड या झेड प्लस सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति इसका उपयोग कर सकते हैं। बता दें कि आम तौर पर मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारी भी इस श्रेणी में नहीं आते। लेकिन, मंदसौर का परिवहन विभाग का अमला तो लंबे समय से नींद में ही है। चूंकि, प्रभारी जिला परिवहन अधिकारी के पद पर पदस्थ इंस्पेक्टर श्री यादव को जनवरी में सेवानिवृत्त होना है। इसलिए वे भी अपने अधीनस्थो पर कथित रूप से ध्यान नहीं दे रहे।

बताया जाता है कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्रायवेट सोर्स पर ली गई गाड़ी पर इस तरह से हूटर लगाना न सिर्फ कानून की अनदेखी है, बल्कि यह दर्शाता है कि जिले में किस तरह वीआईपी कल्चर अधिकारियों के सिर चढ़कर बोल रहा है। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि वाहन की पिछली नंबर प्लेट गायब है। जो मोटर वाहन अधिनियम की सीधी उल्लंघना है। ऐसे मामलों में धारा 184 के तहत वाहन चालक या संबंधित अधिकारी पर कठोर कार्रवाई का प्रावधान है, जिसमें जुर्माना और यहां तक कि लाइसेंस रद्द करने तक की कार्रवाई हो सकती है।

इस पूरे मामले में जिला प्रशासन और परिवहन विभाग की चुप्पी और अब तक किसी भी प्रकार की इन पर कार्रवाई न होना, कई सवाल खड़े करता है। आखिर क्यों नियमों का पालन केवल आम नागरिकों के लिए है? क्या अधिकारियों पर लागू नहीं होते कानून? इस तरह की घटनाएं न केवल प्रशासनिक साख को ठेस पहुंचाती हैं। बल्कि अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को भी नियमों की अनदेखी के लिए प्रोत्साहित करती हैं। परिवहन विभाग के उच्चाधिकारियो को इस तरह के मामलों पर सख्त और समय पर कार्रवाई करना चाहिए, ताकि कानून की गरिमा बनी रहे और वीआईपी संस्कृति पर लगाम लगाई जा सके। अगर अब भी ऐसे मामलों पर आंखें मूँद ली गई, तो यह आने वाले समय में एक खतरनाक परंपरा का रूप ले सकती है। सवाल यह नहीं कि गाड़ी पर हूटर क्यों है, सवाल यह है कि नियमों के बावजूद अब तक मामले में कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

## सालों से जमे पुलिस वालों का इस बार थाना बदलना तय

**भोपाल/मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** पुलिस मुख्यालय के आदेश की जिला पुलिस लगातार नाफरमानी कर रही है। इस कारण पीएचक्यू को एक ही आदेश बार-बार निकालना पड़ रहा है। ताजा मामला प्रदेशभर के थानों में पांच साल से ज्यादा समय से डटे पुलिसकर्मियों से जुड़ा है। पीएचक्यू ने दो माह पहले प्रदेशभर के एसपी से ऐसे आरक्षक से लेकर एसआई स्तर तक के पुलिसकर्मियों की सूची मांगी थी। लेकिन, ज्यादातर ने जानकारी नहीं भेजी।

आदेश नहीं मानने पर पुलिस मुख्यालय ने फिर आदेश निकाला है। स्पष्टलिखा है कि इकाइयों द्वारा उक्त निर्देशों का पालन नहीं किया गया, इसलिए दोबारा निर्देशित किया जाता है कि 16 जून तक प्रत्येक थाने में पदस्थ आरक्षक से लेकर उपनिरीक्षक तक की जानकारी भेजी जाए। प्रशासन शाखा ने यह आदेश जारी किया है। प्रदेशभर से शिकायतें मुख्यालय पहुंच रही हैं। इसके बाद यह फैसला लिया गया।

### लंबी अवधि से पदस्थ अधिकारी हटाए जाएंगे...

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना ने पुलिस मुख्यालय के आदेश को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि पुलिस थानों की कार्यप्रणाली प्रभावी, पारदर्शी एवं कार्यक्षमता में वृद्धि हेतु पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर एवं पदस्थापना के निर्देश जारी किए गए है। एक ही थाने में लंबी अवधि से पदस्थ अधिकारी हटाए जाएंगे।

## गोपालपुरा में वन क्षेत्र की 06.50 हेक्टेयर भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** सीतामऊ क्षेत्र के ग्राम गोपालपुरा के 06.50 हेक्टेयर वनभूमि पर कतिपय लोगो द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया था। जिसे शुक्रवार को वन विभाग, प्रशासन और पुलिस के संयुक्त अमले ने अतिक्रमण मुक्त कराया।

डीएफओ संजय रायखेरे ने बताया गया कि अतिक्रमण मुक्त मुहिम के अंतर्गत वन परिक्षेत्र मंदसौर की बीट सीतामऊ कक्ष क्रमांक पी-एफ-08, गोपालपुरा में अवैध रूप से वनभूमि पर काबिज अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई। जिसमें श्री शुभम पाटीदार (डिप्टी कलेक्टर) प्रभारी तहसीलदार सीतामऊ, श्री मोहन मालवीय थाना प्रभारी सीतामऊ, श्री रतनसिंह सिंगौड वन परिक्षेत्राधिकारी मंदसौर, श्री रघुराजसिंह सिसोदिया परिक्षेत्र सहायक सीतामऊ, पुलिस विभाग तथा राजस्व विभाग के अमले द्वारा संयुक्त कार्यवाही के दौरान अवैध रूप से वनभूमि में बनाये गये अस्थायी झोपडी, खेती के उद्देश्य से अतिक्रमण की गई भूमि रकबा लगभग 6.5 हेक्टेयर वनभूमि को अतिक्रमण से मुक्त करवाया गया है।

अतिक्रमण से मुक्त करवाई गई वनभूमि को जेसीबी मशीन की सहायता से अतिक्रमण रोधी ट्रेंच का निर्माण किया गया। वनमण्डलाधिकारी मंदसौर श्री संजय रायखेरे द्वारा वनक्षेत्र में भविष्य में अतिक्रमण नहीं करने हेतु ग्राम किशोरपुरा ग्राम पंचायत गोपालपुरा के स्थानीय निवासियों को समझाईश दी गई। वनक्षेत्र के 6.5 हेक्टेयर में वनभूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शनिवार को भी जारी रहेगी। जहां से अतिक्रमण हटा रहे हैं, वहां पौधारोपण के लिए गड्डे भी कराए जा रहे हैं। जिसमें विशेष रूप से बांस वृक्षारोपण का कार्य कराया जावेगा।

### ट्रेक्टर-ट्राली पलटी, एक घायल

**पिपलियामंडी, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** ट्रेक्टर-ट्राली पलटने से एक युवक घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार ढाबला दौरवाडा के बीच शुक्रवार रात्रि 8 बजे करीब ट्रेक्टर-ट्राली पलटने से चालक जग्गाखेडी निवासी जवानसिंह घायल हो गया। जिसे बूढा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार के बाद रेफर कर दिया।

## बिन्दौली में फोटो खींचने की बात को लेकर घर में तोड़फोड़, आगजनी, मारपीट

**पिपलियामंडी, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** बिन्दोली में फोटो खींचने की बात को लेकर एक युवक के घर में घुसकर उसके माता पिता के साथ मारपीट की। घर में बिस्तर में आग लगा दी। वाहनों में तोडफोड की। पुलिस ने नौ लोगों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है। मल्हारगढ पुलिस ने बताया कि सूरज पिता रामप्रसाद बावरी निवासी पामाखेडा के साथ एक बिन्दौली में फोटो खींचने की बात पर रोहित पिता प्रहलाद बावरी पामाखेडा, सुनील पिता राजू बावरी बरखेडा देव, पवन डाबी बरखेडा देव, ऋतिक पिता भारतसिंह काचरिया देव, युवराज पिता कब्बू सिंह राजपूत काचरिया देव, पवन पाटीदार विशन्या, विनयसिंह चल्दू, अरुण बावरी लसुड्या कदमाला, सत्यपालसिंह पिता महेंद्रसिंह मनासा खुर्द ने मिलकर मारपीट की। मारपीट के डर से सूरज मौके से भाग गया। जिसके बाद आरोपी

कार से सूरज के घर गए। सूरज के पिता रामप्रसाद व माता राम कन्याबाई घर के बाहर सो रहे थे। तभी आरोपियों ने गाली-गलौज की व दोनों के साथ मारपीट की। घर का दरवाजा तोड दिया। इस दौरान लोगों ने बीच बचाव भी किया। लेकिन आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। सूरज की दोनों बाइक को पत्थर से तोड फोड की। आरोपियों के डर से सूरज के माता-पिता जान बचाकर घर में चले गए। इसके बाद आरोपियों ने दरवाजा तोड दिया घर के अंदर के सामान फेंके व सूरज की पत्नी के साथ भी मारपीट की। वहीं बिस्तर में आग लगा दी व अन्य वाहनों में भी तोडफोड की। जाते-जाते बोले कि बेटे को समझा देना नहीं तो जान से मार देंगे। पुलिस ने नौ आरोपियों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी देने, आगजनी, तोडफोड व एससीएसटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया।

## कल्याण-मुंबई सट्टे की खाईवाली करते चार सटोरिये गिरफ्तार, डेढ़ करोड़ के हिसाब की पर्चियां मिली

### आश्चर्य यह इतनी बड़ी उपलब्धी की पुलिस कप्तान को प्रेस कान्फ्रेंस करना पड़ी ?

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** गरोठ थाना पुलिस ने क्षेत्र के ग्राम बोलिया में कार्रवाई करते हुए एक सट्टा अड्डे पर छापा मारकर मौके से 04 खाईवालो को पकड़ा। उनके कब्जे से 07 हजार रूपए नगद जब्त किए गए। चारो खाईवाल कर्मचारियो से डेढ करोड़ रूपए के सट्टे के हिसाब की पर्चिया भी मिली है। मामले में एक फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस टीम ने मौके से मोबाईल, नकदी, कैल्क्युलेटर, हिसाब किताब की डायरिया सहित अन्य सामान जब्त किया

है। आरोपियों द्वारा लोगो को 10 गुना लाभ देने का प्रलोभन देकर फोन पे / युपीआई के माध्यम से रुपए डलवाये जा रहे थे।

पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने के बाद ग्राम बोलिया की नई आबादी मस्जिद वाली गली के मकान में दबिश दी। यहां से जसवंतसिंह पिता कमलसिंह जाति राजपुत उम्र 35 साल निवासी हरीजन मोहल्ला पिपल्यामंडी, साहिल पिता रमजानी शाह जाति मुसलमान उम्र 24 साल निवासी नई आबादी बोलिया, सुलेमान पिता रईस रंगरेज मुसलमान उम्र 20 साल निवासी इन्द्रा नगर नीमच हा.मु. नई आबादी बोलिया, मुकेश पिता रामप्रसाद उम्र 35 साल निवासी बस स्टेण्ड झालरापाटन जिला झालावाड़ राजस्थान को गिरफ्तार किया गया। वहीं

### एक फरार सटोरिये की तलाश जारी

रईस पिता बाबु भाई रंगरेज निवासी नीमच जिला नीमच फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि आरोपीयो से पुछताछ करने पर प्रकरण के फरार एवं अन्य संदेही आरोपियो द्वारा लोगो को दस गुना लाभ का प्रलोभन देकर पैसे फोन पे/ युपीआई पर डलवाये जा रहे थे। जिस पर से गिरफ्तारशुदा आरोपियो के विरूद्ध थाना गरोठ पर धारा 3/4(क) जुआ अधिनियम, 4 (क) सट्टा अधिनियम एवं 318 (4), 49 बीएनएस के अन्तर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। प्रकरण मे अन्य फरार आरोपियो की तलाश जारी है। पुलिस ने सट्टा पर्ची लिखते चारों आरोपियो के कब्जे से 7 हजार 230 रूपये नगदी, लगभग 1.51 करोड रुपये की सट्टा अंक लिखे हुए 13 बण्डल पर्ची, 15 मोबाईल, 05 कैल्कुलेटर, 04 सट्टा पर्ची कट्टे, 04 हिसाब लिखी डायरी व 15 पेन जप्त किये है।

### क्या इतना बड़ा मामला है, जिसके लिए पीसी करना पड़ी...

आमजन सहित खबरनवीस भी यह बात नहीं समझ पा रहे हैं कि क्या यह इतना महत्वपूर्ण या बड़ा मामला था कि इसके लिए पुलिस कप्तान को प्रेस कान्फ्रेंस बुलाना पड़ी। आखिर था तो कल्याण - मुंबई का सट्टा ही। वैसे कप्तान के आने के बाद मंदसौर सहित जिले के अन्य स्थानो पर सट्टे के ठिये बंद भी हुए है और कई सट्टा खाईवाल भूमिगत भी हो गए है।

## विचार-मंथन

# दुनिया में खसरे की वापसी...?

खसरे का संक्रमण एक बार फिर अपने पांव तेजी से पसार रहा है। यह किसी एक देश की बात नहीं, बल्कि दुनिया भर में खसरे के मामले बढ़ रहे हैं। इससे संबंधित एक हालिया रपट ने विश्व भर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों को चिंता में डाल दिया है। इसके मुताबिक, वर्ष 2023 में पूरी दुनिया में खसरे के एक करोड़ तीन लाख मामले सामने आए, जो 2022 की तुलना में 20 फीसद अधिक हैं। इसे अमेरिका, यूरोप, भारत और आस्ट्रेलिया सहित कई देशों के लिए नई चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। खसरा सबसे ज्यादा बच्चों को प्रभावित करता है और इसे टीकाकरण से रोका जा सकता है। मगर सवाल यह है कि जब दुनिया भर में इस संक्रमण का टीका वर्षों से उपलब्ध है, तो इसकी चाल फिर तेज क्यों हो रही है? इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें वैश्विक स्तर पर खसरे से निपटने के उपायों में ढिलाई से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। गौर करने वाली बात है कि खसरे से बचने के लिए तैयार किया गया टीका वर्ष 1963 से ही दुनिया भर में उपलब्ध है और इसके प्रभावशाली नतीजे भी सामने आए हैं। मगर पिछले कुछ वर्षों में इसके संक्रमण के मामले बढ़ना भारत समेत दुनिया के तमाम देशों के लिए एक चेतावनी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अमेरिका की स्वास्थ्य संस्था सेंटर फार डिजीज कंट्रोल (सीडीसीसी) की रपट के अनुसार, भारत उन 57 देशों में से एक है, जहां वर्ष 2023 में खसरे के मामले बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि वैश्विक स्तर पर इस संक्रमण के फैलने की घटनाएं 20 फीसद



बढ़ी हैं। अमेरिका में तो वर्ष 2000 में खसरे के उन्मूलन की घोषणा कर दी गई थी, लेकिन पच्चीस साल बाद वहां की स्वास्थ्य संस्था सीडीसी ने इस साल जनवरी से मई तक देश में खसरे के 900 मामले सामने आने की पुष्टि की है। आस्ट्रेलिया में इस साल के शुरुआती पांच महीनों में खसरे के 77 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 2024 में यहां कुल 57 मामले सामने आए थे। यूरोप में पिछले 25 वर्षों की तुलना में खसरे के सबसे अधिक मामले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए। मौजूदा स्थिति को देखते हुए ऐसा लगता है कि दुनिया भर में खसरे के टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करने का वक्त आ गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रपट में कहा गया है कि कोरोना महामारी भी खसरे का संक्रमण बढ़ने की एक वजह बनी है। उस दौरान लोगों का ध्यान कोरोना के टीके लगवा कर इससे बचने पर था। इससे खसरे का टीकाकरण प्रभावित हुआ। मगर, यह भी सच है कि कोरोना काल के बाद सरकारी स्तर पर खसरे के संक्रमण को रोकने को लेकर जो सक्रियता दिखाई जानी चाहिए थी, उसका अभाव रहा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, खसरे से संक्रमित व्यक्ति कई लोगों में संक्रमण फैला सकता है। लिहाजा दुनिया के लिए यह सावधान होने की घड़ी है। व्यापक स्तर पर टीकाकरण के बिना इस बीमारी से सुरक्षा पाना मुश्किल है। इस रपट के सामने आने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सलाह दी है कि सभी देशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को टीके की दो-खुराक अवश्य मिले।

# स्त्री-पुरुष संबंधों में बिगड़ते संतुलन की त्रासदी: एक नैतिक और मानवीय विमर्श

दीपा लाभ

समाज में पारिवारिक संरचना को हमेशा से आदर्श और स्थायित्व का प्रतीक माना गया है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ऐसे आपराधिक घटनाक्रमों की संख्या में वृद्धि हुई है, जहाँ विवाह जैसी पवित्र संस्था छल, द्वेष और हिंसा का माध्यम बन गई है। राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी जैसे मामले इस बात का प्रमाण हैं कि अब केवल स्त्रियाँ ही नहीं, बल्कि पुरुष भी घरेलू हिंसा और मानसिक उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं। हालाँकि सोनम का जुर्म अभी साबित नहीं हुआ है, और असलियत सामने आने में वक्त लग सकता है। मगर इसकी संभावना से इनकार भी नहीं किया जा सकता। हाल-फिलहाल में पत्नी द्वारा पतियों की हत्या या तलाक के नाम पर उत्पीड़न के कई मामले समूचे देश की सुर्खियों में शामिल रहे हैं। इन मामलों में कानून, प्रशासन और सरकारें अपनी भूमिका निभाती रहेंगी, मगर इस देश के प्रबुद्ध नागरिक होने के नाते हमारी मानवीय और नैतिक जिम्मेदारियों पर विमर्श की आवश्यकता है। मेघालय से लापता सोनम का एक पखवारे बाद गाजीपुर में मिलना उसे संदेह के घेरे में डाल चुका है। राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश में यदि उसकी संलिप्तता साबित हो जाती है तब विवाह जैसे पवित्र बंधन से युवाओं का भरोसा उठना स्वाभाविक है। सात फेरों के इस पावन रिश्ते के साथ ऐसा खिलवाड़ अमानवीय है। चाहे सौरभ सिंह हो या राजा रघुवंशी, इन मामलों से यह बात साफ है कि बात केवल अपराध कि वीभत्सता तक





सीमित नहीं है। 36 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल अतुल सुभाष की आत्महत्या जिसके पीछे तलाक की प्रक्रिया और पत्नी द्वारा मानसिक प्रताड़ना कारण बताया गया, सोचने को मजबूर करती है कि आज की पीढ़ी की, विशेषकर स्त्रियों की मनोदशा या मानसिकता ऐसी क्यों होती जा रही है। वैवाहिक संबंधों में अविश्वसनीयता आज समाज के सामने एक बहुत बड़ी समस्या बन कर सामने खड़ा है। आधुनिक जीवनशैली में संवादहीनता से विश्वास और सम्मान का अभाव अब स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। 1 जनवरी से 31 मई 2025 के बीच पांच महीने में 1169 मामले फैमिली कोर्ट में पहुंचे हैं, जो 2024 की तुलना में 216 मामले अधिक हैं। इनमें तलाक के 700 व घरेलू हिंसा व भरण पोषण के 469 मामले हैं, जबकि 2024 में तलाक के 506 व भरण पोषण, घरेलू हिंसा के 447 फैमिली कोर्ट में आए थे। इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि भारत जैसा देश जहाँ विवाह को जन्म-जन्मान्तर का सम्बन्ध माना जाता था, आजकल फैमिली क्राइसिस से गुजर रहा है और वैवाहिक संस्था की आस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जो कानून महिलाओं की सुरक्षा और अस्मिता की रक्षा के लिए बनाया गया था, उसी कानून का फ़ायदा उठा कर महिलाएँ अब पैसे ऐंठना, संपत्ति लूटना और पति व ससुराल वालों को मानसिक उत्पीड़न देने से नहीं कतराती हैं। ऐसा नहीं है कि महिलाओं को इस कानून की आवश्यकता नहीं थी, किन्तु दहेज कानून (498) और घरेलू हिंसा अधिनियम के दुरूपयोग के कई मामले अब जनता की नज़रों में आ चुके हैं। अवसाद, ईगो क्लैश, अपेक्षाओं का टकराव और आर्थिक अस्थिरता भी संबंधों में विष घोलते हैं। ऐसे में एक कदम आगे बढ़कर हत्या जैसी वारदातों को अंजाम देना एक नई समस्या की ओर इशारा कर रहा है - मेंटल हेल्थ। मानव जीवन अमूल्य है। विवाह यदि प्रेम, सहयोग और साझेदारी का आधार न बन सके तो उसे सुलझाने के कानूनी और सामाजिक उपाय होने चाहिए, न कि हिंसा या छल से इसका अंत। किसी भी पक्ष द्वारा मानसिक या शारीरिक शोषण केवल कानून का नहीं, नैतिकता का भी उल्लंघन है। हर मानव को सुनने और समझे जाने की आवश्यकता होती है। एक स्वस्थ दांपत्य के लिए केवल अधिकार नहीं, कर्तव्य और संवेदना की जरूरत है। इस कार्य के लिए कानून, समाज और प्रशासन की साझेदारी की भूमिका होनी चाहिए। समस्या गम्भीर है, किन्तु उपायों पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। जैसे पूर्व-विवाह परामर्श को प्रोत्साहन दिया जाए। मीडिया और फिल्मों में संतुलित और संवेदनशील चित्रण हो ताकि विवाह और संबंधों की समझ सही रूप में विकसित हो। स्कूल स्तर पर नैतिक शिक्षा, सह-अस्तित्व और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। सामाजिक संस्थाओं को चाहिए कि वे विवाह के समय केवल उत्सव न करें, बल्कि जिम्मेदारियों की समझ भी विकसित करें। डिजिटल रिकॉर्डिंग और साक्ष्य को कानूनी रूप से अधिक मान्यता दी जाए जिससे झूठे आरोपों का पर्दाफाश हो सके। विशेषकर, राजा रघुवंशी केस में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

# पिता की खामोश मासूमियत, रिश्तों की गहराई को समझने की एक कोशिश

महेश परिमल

हमने किसी सोते हुए बच्चे को देखा होगा। उसे देखते हुए क्या हमें ऐसा नहीं लगता कि यह कितना मासूम है? उसके चेहरे पर जो मासूमियत होती है, उसकी तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती। वह चेहरा हमारे सामने सदैव होता है, बच्चे के बड़े होने तक। हम उसी चेहरे को हमेशा प्यार करते हैं। एक और चेहरा हमारे सामने होता है। हम कोशिश करके उसे याद कर सकते हैं। हमसे कुछ सहायता प्राप्त करने वाला या कहा जाए कि हमसे उधार मांगने वाला चेहरा। इस चेहरे के भाव कुछ अलग से होते हैं, पर वह भी मासूम ही होता है। इस चेहरे पर दो तरह के भाव पाए जाते हैं। एक तो स्वाभिमान का, दूसरा शर्म का। जो हाथ पहले कभी किसी के आगे नहीं फैले होंगे, किसी वक्त वही हाथ कुछ मांगने के लिए किसी के सामने फैलाने पड़ते हैं। जो हाथ सदैव देने के लिए उठे होते हैं, बाद में वही मांगने के लिए उठते हैं। इन दोनों भावों को हम उस वक्त देख सकते हैं, जब हमसे कोई पहली बार उधार मांग रहा हो। मासूमियत वाले दो चेहरे और होते हैं। ये चेहरे होते हैं हमारे माता-पिता के। यह बात भले ही गले से नीचे नहीं उतर रही हो, पर यह सच है कि माता-पिता के चेहरे भी मासूम होते हैं। अगर हमें अपने माता-पिता के चेहरे पर मासूमियत नजर नहीं आ रही है, तो हमें अपनी समझदारी और दृष्टि पर गौर करने व उसमें सुधार करने की जरूरत है। अफसोस है कि हमें अपने माता-पिता कभी मासूम नहीं लगते। हालांकि, मां को इस सामाजिक व्यवस्था में मिले दर्जे की वजह से सर्वोच्च स्थान पर देखा जाता रहा है और इस नाते कई बार उनके चेहरे में मासूमियत दिखती है, जो स्वाभाविक और सही है। लेकिन पिता को आमतौर पर इस दृष्टि से नहीं देखा जाता। यह वह चेहरा होता है, जो सदैव सख्त दिखाई देता है। लोग इसी सख्त और गंभीरता वाले चेहरे से डर जाते हैं। हम उनके भीतर अजस्र रूप से बहती उस स्वच्छंद नदी के प्रवाह को नहीं देख पाते, जो सदैव बना रहता है। जो देख पाते हैं, वे बहुत ही भाग्यशाली होते हैं। आज जीवन मूल्य तेजी से बदल रहे हैं। सामाजिक जीवन अब कुछ ऐसी जटिलताओं से गुजर रहा है कि पिता-पुत्र के बीच की दूरियां बहुत बढ़ गई हैं। आपाधापी इतनी है कि घर में रहने वाले और तेजी से बड़े होते बच्चों के साथ संवाद तो जैसे गायब हो गया है। कई बार



संवाद का काम आंखें ही कर लेती हैं। प्यार से गले लगाने के दृश्य तो अब यदा-कदा ही दिखाई देते हैं। पिता-पुत्र के बीच संवाद के सेतु का काम मां को ही करना होता है। जहां मां न हो, वहां तो स्थिति और भी विकट होती है। बच्चे को बड़ा होते देखना भला किसे नहीं भाता, पर बच्चा इतना भी बड़ा न बन जाए कि उससे संवाद करने के लिए वातावरण को हल्का करने की आवश्यकता पड़े। दिन भारी लगने लगते हैं, जब बच्चे से बात करने के लिए पिता को इंतजार करना पड़ता है। संभव है कई घरों में वातावरण हल्का रहता हो। पिता और पुत्र एक मित्र की तरह संवाद करते दिखाई देते हों। साथ-साथ घूमने जाना, एक साथ मिल कर भोजन करना आदि क्रियाकलाप हों। ऐसे माहौल में पता ही नहीं चलता कि घर में किसकी चलती है, पिता की या बेटे की। एक उम्र के बाद पिता और भी अधिक खामोश होने लगते हैं। कई चीजें उनकी आंखों के सामने से गुजरती हैं, वे आंखें उसे स्वीकार नहीं करतीं, पर पिता के सामने उसे स्वीकारने की विवशता भी होती है। एक अनजाना-सा संवाद उनके भीतर ही उमड़ता-घुमड़ता रहता है, जिसे वे शब्द देना चाहते हैं। मगर, वे शब्द होठों तक आते-आते रह जाते हैं। जिसने भी माता-पिता की मासूमियत को पहचान लिया, वह उतना ही अधिक भाग्यशाली होता है। माता-पिता कभी भी अपने बच्चों को यह नहीं बताते कि उन्होंने उसके लिए क्या-क्या किया। इसे बच्चा ही अगर ठीक से समझे, तो बेहतर होता है। जो संतान अपने माता-पिता की मासूमियत को जानती है, वह अपने जीवन में कभी विफल नहीं हो सकती। उसके जीवन की चुनौतियों के आगे उसके माता-पिता का संघर्ष, समर्पण और त्याग होता है। धीरे-धीरे बड़ा होता बच्चा उनके इस संघर्ष का मौन साक्षी होता है।

# डिजिटल क्रांति की कथा सुनाने लगे गांव

भारत के दूरसंचार और इंटरनेट उपयोग में पिछले 11 वर्षों में आई क्रांति का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रति उपयोगकर्ता डाटा खपत 2014 में जहां 61 एमबी हुआ करती थी, आज 2025 में 21.5 जीबी हो चुकी है। आज गलवान और सियाचिन जैसे दुर्गम इलाकों में तैनात हमारे सैनिक इंटरनेट की तेज स्पीड के साथ पूरी दुनिया से जुड़ रहे हैं। जो कभी बर्फीली खामोशियों में रहते थे, वे अब हाई-स्पीड इंटरनेट से संवाद कर रहे हैं। देश के पूर्वोत्तर का व्यापारी वैश्विक बाजार तक पहुंच रहा है, तो छत्तीसगढ़ के जंगलों में रहने वाले छात्र ऑनलाइन पढ़ाई से अपने सपनों को ऊंची उड़ान दे रहे हैं। यह सिर्फ कनेक्टिविटी नहीं, मनोबल बढ़ाने वाली क्रांति है। यह बदलाव अचानक नहीं आया है, यह उस संकल्प की परिणति है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' के रूप में लिया था। बीते 11 वर्षों में दूरसंचार क्षेत्र में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों ने एक नई डिजिटल क्रांति को जन्म दिया, जो न केवल शहरों को, बल्कि गांवों, सीमाओं व जंगलों को भी जोड़ रही है। आज, जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, तो इस यात्रा में मजबूत दूरसंचार तंत्र व भरोसेमंद इंटरनेट कनेक्टिविटी एक सशक्त उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने सिर्फ तकनीकी विकास नहीं, बल्कि तकनीक के माध्यम से जन-सशक्तीकरण का नया अध्याय रचा है। भारत के दूरसंचार और इंटरनेट उपयोग में पिछले 11 वर्षों में आई क्रांति का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रति उपयोगकर्ता डाटा खपत 2014 में जहां 61 एमबी हुआ करती थी, आज 2025 में 21.5 जीबी हो चुकी है। मेगाबाइट से गीगाबाइट तक की यह वृद्धि 'डिजिटल इंडिया' की नींव बन रही है। मात्र 11 साल में ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 1,449 फीसदी की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई, जिसकी संख्या आज 95 करोड़ है। मार्च 2014 से मार्च 2025 तक भारत में टेलीफोन कनेक्शन की संख्या 93.3 करोड़ से बढ़कर 120.167 करोड़ हो गई है, जिसमें मोबाइल उपयोगकर्ताओं की संख्या 115.786 करोड़ है। आज भारत, विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन चुका है। यहां बिकने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल देश में ही बनते हैं। एक समय था, जब एक जीबी डाटा के लिए उपभोक्ताओं को 268.97 रुपये चुकाने पड़ते थे, लेकिन आज वह मात्र 9.34 रुपये में उपलब्ध है, यानी 96 प्रतिशत की अभूतपूर्व गिरावट हमारे 'सर्वव्यापी कनेक्टिविटी' को शक्ति दे रही है। ग्यारह साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली, तब भारत के लाखों गांव इंटरनेट कनेक्टिविटी से अछूते थे। प्रधानमंत्री जानते थे कि यदि भारत को 21वीं सदी में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी है, तो प्रत्येक गांव, पंचायत और कस्बे को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना होगा। इसी दृष्टि से 'भारत नेट परियोजना' शुरू की गई, जो विश्व की सबसे बड़ी ग्रामीण टेलीकॉम कनेक्टिविटी परियोजना है। इसके पहले चरण में 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा जा चुका है, अगले चरण में और 2.64 लाख ग्राम पंचायतों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य है। इन उपलब्धियों से भारत में एक विशाल डिजिटल हाईवे का निर्माण हुआ है, जिसके लाभ आज देश के हर कोने में महसूस किए जा रहे हैं। दूरसंचार का महत्व केवल फोन, टीवी या कंप्यूटर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण बन चुका है। जन-धन, आधार और मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी ने डिजिटल वित्तीय समावेशन में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं।

## ऑपरेशन सिंदूर: सैटेलाइट तस्वीरों से खुली पड़ोसी की पोल
## तिरपाल से ढक कर तबाही के निशान छिपा रहा पाकिस्तान




## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5626

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 4 | 2 | 6 | | | 9 | 7 | 3 |
| | | | | 4 | | | 8 | |
| | 1 | 3 | 9 | | | | | |
| | | | | | | 5 | | |
| | 3 | | 2 | 1 | 4 | | 9 | |
| | | 4 | | | | | | |
| | | | | | 9 | 1 | 6 | |
| | 5 | | | 7 | | | | |
| 1 | 7 | 9 | | | 2 | 4 | 3 | 5 |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

## सुडोकू पहेली क्र. 5625

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 5 | 2 | 1 | 3 | 4 | 8 | 6 | 7 |
| 3 | 1 | 7 | 5 | 6 | 8 | 2 | 9 | 4 |
| 4 | 6 | 8 | 7 | 9 | 2 | 5 | 3 | 1 |
| 2 | 8 | 5 | 6 | 7 | 1 | 9 | 4 | 3 |
| 1 | 3 | 4 | 8 | 5 | 9 | 7 | 2 | 6 |
| 7 | 9 | 6 | 2 | 4 | 3 | 1 | 8 | 5 |
| 6 | 2 | 1 | 4 | 8 | 5 | 3 | 7 | 9 |
| 5 | 4 | 9 | 3 | 2 | 7 | 6 | 1 | 8 |
| 8 | 7 | 3 | 9 | 1 | 6 | 4 | 5 | 2 |

## वर्ग पहेली 5626



संकेत: बाएं से दाएं
1. 1967 को यह देश ब्रिटेन से आजाद हुआ (3)
3. दयालु, कृपालु, ईश्वर का एक नाम (4)
6. कोई बात धीरे से कान के पास आकर कहना, फुसफुसाहट (4)
8. विभावरी, रजनी, निशा, रात्रि (2)
10. नासमझ, भोला (3)
11. आर.के.बैनर की कालजयी फिल्म से अपना सरगमी सफर शुरू करने वाली जोड़ी में से एक (5)
14. शरारती, अति चंचल, उपद्रवी (4)
17. लालू यादव वाली पार्टी का संक्षिप्त नाम (3)
19. [illegible] फिल्म (1965)(4)
20. अंक, क्रोड़, गोद, कमल (3)
21. घोड़े पर खेला जाने वाला गेंद बल्ले का खेल, पोलो (3)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. राजकुमार, राजपुत्र, राजकुंवर (4)
2. लुटेरों द्वारा किया गया धावा कर माल, असबाब की लूट (2)
3. किसी जले या फटे हुए कपड़े को धागा भरकर उसे बंद करना (2)
4. सुंदर स्त्री, कामवती, सुंदरी (3)
5. [illegible] (5)
7. अभियोग, मुकदमा (3)
9. निश्चित किया हुआ, निर्णीत (2)
12. [illegible] (5)
13. जो रिश्ते में पति की बहन हो (3)
15. यह मध्यप्रदेश के अंचल पश्चिमी निमाड़ का एक जिला है (4)
16. नमाज की सूचना के शब्द जो पुकारे जाते है (3)
18. धन-संपत्ति, स्वर्ग, दौलत, वृद्धावस्था, संपत्ति (2)
20. पुरानी फिल्मों के एक प्रसिद्ध हास्य अभिनेता (निधन 30 अप्रैल 1992) इनका बेटा भी प्रसिद्ध निर्देशक-अभिनेता (दिवंगत) रह चुका है (2)

### वर्ग पहेली 5625 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | र | ल | बि | हा | री | | म |
| दा | | ला | ब | | रा | ला | क |
| ल | पु | | लौ | ल | ना | | स |
| त | | मा | | | | प | द |
| | स | | र | ह | म | त | |
| शो | पा | न | | ह | ज | न | |
| म | | ज | | र | मा | | सो |
| | न | क | र | स | | रा | न |

## आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

# शिवना किनारे झाड़िया साफ कर नये गढ्ढे खोदे व पौधे रोपे गये

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** विधायक श्री विपिन जैन के नेतृत्व में चल रहे शिवना शुद्धिकरण अभियान अनवरत जारी है। यह अभियान 44वें दिन भी जारी रहा। श्रमदानियों ने शिवना के तट पर झाड़िया साफ की तथा नये गड्ढे खोदे तथा उनमें विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गये।

विधायक विपिन जैन ने बताया कि शिवना के शुद्धिकरण एवं सौंदर्यीकरण के लिये सभी कटीबद्ध है। तथा प्रतिदिन श्रमदान करने वाले शिवना तट पर आ रहे है तथा मेहनत कर अपना पसीना बहा रहे हैं। शुक्रवार को श्रमदान करने वालों में विधायक श्री विपिन जैन, समाजसेवी मनीष भावसार, रामचन्द्र मालवीय, घनश्याम भावसार, राकेश जैन पिंटू, हेमराज खाबिया, नमन पालीवाल, विजय आनंद, रमेश सोनी, हेमंत मेहता, भुवनेश माली, ग्राम बनी से पंकज जैन, अमलावद से महिपालसिंह, इन्द्रेश कुमावत भगत, कैलाश कुमावत, भुनियाखेड़ी गांव से राहुल धनगर, महिला नेत्री इष्ता भाचावत, रफत पयामी, दीपाली पोरवाल, कांग्रेसजन विकास दशोरा, राजनारायण लाड, संजय नाहर, रमेश सिंगार, दिलीप देवड़ा, राजेश फरक्या, विश्वास दुबे, मनोहर नाहटा, शिवशंकर सौलंकी, अजय सोनी, राज सोनावत, सादिक गौरी, राजेश चौधरी, पंकज रैकवार, नितनेस बसेर, राकेश सेन, अकरम खान, मोहनपुरी गोस्वामी, मनोहर गुर्जर, ऋषिराज लाड, गोपाल बंजारा, राजा भाई, जीगर सोनावत, प्रीत जैन सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। श्रमदान के पश्चात् शिवना तट पर सभी श्रमदानियों ने 12 जून को अहमदाबाद में दु:खद विमान दुर्घटना में मृत व्यक्तियों को दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

# दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में गनेड़ीवाल ट्रस्ट ने 7 लाख की अत्याधुनिक मशीनें दान कर किया शुभारंभ

## मन से मंदसौर जिला स्तरीय प्रयोजन के माध्यम से डीडीआरसी केंद्र को मिली इतनी बड़ी सौगातें

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** सामाजिक न्याय विभाग के अंतर्गत संचालित दिव्यांग पुनर्वास केंद्र अर्थात डीडीआरसी मंदसौरको अति आधुनिक बनाने के लिए 'मन से मंदसौर' जिला स्तरीय प्रयोजन के माध्यम से श्री प्रदीप गनेडीवाल ट्रस्ट ने दिव्यांग पुनर्वास केंद्र को 7 लाख रुपए की आधुनिक मशीनें दान की। मशीनों का शुभारंभ सांसद श्री सुधीर गुप्ता, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, श्री प्रदीप गनेडीवाल ने किया।

मध्यप्रदेश का एकमात्र दिव्यांग पुनर्वास केंद्र मंदसौर को इतनी बड़ी सौगातें मिली है, जो प्रदेश के किसी भी जिले के पुनर्वास केंद्र में नहीं है। अब आधुनिक मशीनों के माध्यम से फिजियोथैरेपी होगी। बिना किसी ऑपरेशन के मरीज ठीक होंगे। ऐसे मरीज जो ऑपरेशन के बिना ठीक नहीं हो

सकते, ऐसे मरीज फिजियोथैरेपी के माध्यम से ठीक होंगे। और यह सब इन अति आधुनिक मशीनों के कारण संभव होगा। केंद्र पर अब दिव्यांगजनों, बच्चों के साथ प्रत्येक जरूरत मंद मरीजों को आधुनिक मशीनों के माध्यम से उपचार की सुविधा मिलेगी। फिजियोथैरेपिस्ट डॉ चौधरी का कहना है कि, प्रदेश का पहला सरकारी फिजियोथैरेपी सेंटर होगा जहां मरीजों को मशीनों के माध्यम से थेरेपी और इलाज की सभी सुविधा उपलब्ध होगी। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र मंदसौर में दान के पश्चात जितनी मशीनी उपलब्ध हुई, उतनी प्रदेश के अन्य किसी सरकारी संस्थान में उपलब्ध नहीं है। इन अत्याधुनिक मशीनों में ओस्टियोपेथी टेबल, मोटराइज्ड हाईलो काउच जो मरीज के आरामदायक पोजीशन के काम आती है। एसडब्लूडी 500, अल्ट्रासाउंड, ट्रांस क्यूटैनियस नर्व स्टिमुलेशन, इंटरपेरेंशियल थेरेपी मशीन जो की न्यूरो व मस्कुलर पेन प्रबंधन में उपयोग की जाती है। ट्रेक्शन टेबल कमर और गर्दन की नसों के दबाव को खोलने के उपयोग में आती है। पिईएमएफ मशीन जो एक थेरेपी मशीन है। यह कूल्हे के जोड, घुटनों के दर्द, कमर और गर्दन के दर्द को ठीक करने में उपयोगी है। वॉल माउंट स्टैंड कमर के टेढ़ेपन, कंधे के जाम होने पर उसको ठीक करने में उपयोगी है। क्वाडिसेप टेबल जांघ की मांसपेशियों की कमजोरी को दूर करने में काम आती है। गोनियोमीटर सेट जो की घुटनों के अर्थराइटिस, घुटनों की गादीयों के फटने व अन्य घुटनो के दर्द में लाभदायक है। अनवाइजिंग सिस्टम लकवा, स्पाइन कॉर्ड इंजुरी के मरीजों के बैलेंस बनाने, चलने की क्षमता को बढ़ाने में लाभदायक है। इसके साथ ही अन्य उपकरण जिसमें हैंड ग्रिप्स टूल्स, एक्सरसाइ बॉल, आईएएसजेएम टूल्स, अन्य छोटे टूल्स इत्यादि जो कसरतों में लाभदायक है। इन साधनों और मशीनों से मरीजों को तुरंत उपचार पर जल्दी आराम मिलेगा। उन्हें शारीरिक लाभ की प्राप्ती बहुत जल्दी होगी। आर्थिक नुकसान भी नहीं उठाना पडेगा। अन्य शहरों में इलाज के लिए अब जाने की जरूरत नहीं पडेगी। एक ही जगह पर सभी प्रकार की सुविधा मरीजों को मिलेगी।

## किसानों के सारे मामले संवाद के माध्यम से हल करेगी सरकार–मुख्यमंत्री

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार सदैव किसान हितेषी निर्णय लिए जाने के लिए जानी जाती है। ऐसे में मूंग खरीदी को लेकर कोई विषय आया है और इस सिलसिले में कृषि मंत्री से बात कर रहे हैं और किसान संघ से भी बात करेंगे। हमारी सरकार संवेदनशील सरकार है और सभी मामले संवाद के माध्यम से हल करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जारी संदेश में यह बात कही।

**बाल श्रम मुक्त समाज के निर्माण के प्रयासों में सरकार के सहभागी बनें नागरिक –** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के नागरिकों से आहवान किया है कि वे बाल श्रम मुक्त समाज के निर्माण के लिए अभावग्रस्त बच्चों को उत्तम स्वास्थ्य, शिक्षा और समानता प्रदान करने के प्रयासों में सरकार के सहभागी बनें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर 'एक्स' पर कहा कि एक सभ्य समाज में बाल श्रम के लिए कोई स्थान नहीं है, इस सामाजिक अपराध पर अंकुश लगाना सभी नागरिकों का कर्तव्य है।

## खनिज विभाग ने अवैध परिवहन करते हुए दो वाहन जप्त किए

**नीमच, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** खनि अधिकारी श्री गजेन्द्र सिह डाबर एवं खनिज विभाग की टीम द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के विरूद्ध शुक्रवार को नीमच, जावद क्षेत्र में कार्यवाही कर, खनिज रेत एवं खण्डा के अवैध परिवहन में संलिप्त 2 वाहनों को जप्त किया गया है। उक्त वाहनों को पुलिस थाना जावद एवं नीमच सिटी की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया हैं। जप्त वाहनों में ट्राला आर.जे.09जी.डी.9004 रेत एवं ट्रेक्टंर आर.जे.09आर.सी.5167 खण्डा का शामिल है।

# नियम विरूद्ध किये गये स्थानांतरण के विरोध में 16 से कलेक्टर कार्यालय के समक्ष अनशन

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** मध्यप्रदेश शिक्षक संघ मंदसौर द्वारा जिला सचिव भरतलाल पोपंडीया का नियम विरूद्ध किये गये स्थानांतरण के विरोध में 16 जून से स्थानांतरण निरस्त करने तक कलेक्टर कार्यालय के समक्ष शांतिपूर्ण अनशन किया जाएगा।

इस बाबत मध्यप्रदेश शिक्षक संघ मंदसौर के जिलाध्यक्ष विक्रम शर्मा एवं जिला सचिव भरतलाल पोपंडिया ने 13 जून को जिला कलेक्टर को पत्र देकर अनशन पर बैठने की पूर्व सूचना भी दी है। जिसमें कहा कि दिनांक 7 जून 2025 को नियम विरुद्ध मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला शाखा मंदसौर के जिला सचिव श्री भरतलाल पोपंडीया का स्थानांतरण संस्था हाई स्कूल एरिया जिला मंदसौर से कन्या मा. वि. पलासिया जिला नीमच में किया गया है, जो कि सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के विपरीत किया गया है, जिसको निरस्त करवाने हेतु दिनांक 11 जून 2025 को ज्ञापन दिया गया था। ज्ञापन पर आज तक कोई कार्यवाही हुई हो इस संबंध में संगठन को अवगत नहीं करवाया गया है। इसलिए न्याय की प्रत्याशा में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय संगठन मंत्री श्री हिम्मतसिंह जैन, प्रांतीय मीडिया सह प्रभारी रामचंद्र मालवीय, जिला संगठन मंत्री श्री मोतीलाल फरक्या, जिला अध्यक्ष श्री विक्रम शर्मा दिनांक 16 जून 2025 से आपके कार्यालय के समक्ष शांतिपूर्ण अनशन पर बैठेंगे। आदेश निरस्त होने तक प्रतिदिन 10 से 20 कार्यकर्ता प्रतिदिन धरने बैठेंगे। यह अनशन आत्महत्या के लिए नहीं होकर आदेश निरस्त होने तक जारी रहेगा। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जिला मंदसौर ने सभी शिक्षक साथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में नियम विरूद्ध किये गये स्थानांतरण के विरोध में अनशन पर उपस्थित होवे।

# जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण का जिला स्तरीय प्रशिक्षण सम्पन्न

**नीमच, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्री हिमाशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देश एवं मार्गदर्शन में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम तहत जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन जिला पंचायत सभागृह में शुक्रवार को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के जिला परियोजना समन्वयक श्री दिलीप कुमार व्यास एवं जिला सह समन्वयक श्री रामेश्वर लाल नायक, सभी बी.ई.ओ., बी.आर.सी., बी.ए.सी., सी.आर.सी., सभी सह समन्वयक साक्षरता, सभी संकुल सह समन्वयक, उपस्थित थे। कार्यक्रम में 15 वर्ष से अधिक आयु के असाक्षर व्यक्तियों का सर्वे करने, उनकी जानकारी NILP-MP ऐप पर दर्ज करने तथा स्वयं को अक्षर साथी के रूप में प्रस्तुत कर समाज में साक्षरता का प्रचार-प्रसार करने साथ ही सामाजिक चेतना केंद्रो को अधिक प्रभावकारी बनाने के संबंध में जानकारी दी गई।

## दिवंगतों की आत्मशांति हेतु आर्य समाज ने हवन किया

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** आर्य समाज मंदसौर में 12 जून को अहमदाबाद में हवाई जहाज दुर्घटना में दिवंगत हुए व्यक्तियों की आत्मा की शांति हेतु हवन का आयोजन किया गया। इस दौरान मौन रखकर श्रद्धांजलि भी व्यक्त की। हवन प्रक्रिया पं. महेश शर्मा ने सम्पन्न कराई। आर्य समाज प्रधान मधुसूदन आर्य ने बताया कि अहमदाबाद में हुई घटना से पूरा विश्व स्तब्ध है। आर्य समाज मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त कर उनके परिवाजजनों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करता है। आर्य समाज प्रधान मधुसूदन आर्य, रमेशचन्द्र राव, महेश शर्मा, सुरेन्द्र भाटी, सुधा कुर्मी, नारायणलाल चौधरी सहित धर्मालुजनों ने हवन में आहुति दी।

## मारपीट कर दांतों से काटा

**पिपलियामंडी, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** मारपीट कर दांतों से काटने के मामले में पुलिस ने दो भाईयों के खिलाफ केस दर्ज किया। रतन पिपलिया निवासी राजू पिता दिनेशचंद पाटीदार ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि घर के बाहर नाली साफ कर रहा था इसी दौरान पडोसी धर्मेन्द्र व जितेन्द्र पिता रमेशचन्द्र पाटीदार ने कहा कि हमारा खाद क्यों बहा रहा है और मारपीट की। हाथ व पैर पर दांतों से काट लिया।

# स्वस्थ्य यकृत मिशन के तहत कलेक्टोरेट में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्पन्न

## कलेक्टर चंद्रा सहित 140 शासकीय सेवकों ने करवाया अपना हेल्थ चेकअप

**नीमच, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे स्वस्थ्य यकृत मिशन के तहत कलेक्टोरेट कार्यालय नीमच में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.आर.के.खद्योत एवं सिविल सर्जन डॉ.महेन्द्र पाटिल के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा कलेक्टर कार्यालय नीमच में शुक्रवार को सभी विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए नि:शुल्कर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में डॉ.मनीष यादव एवं पैरामेडिकल स्टाफ की टीम ने अपनी सेवाएं दी। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा सहित विभिन्न विभागों के 140 से अधिक शासकीय सेवकों ने शिविर में अपना स्वास्थ्य परीक्षण

करवाया। इनमें से 101 शासकीय सेवकों की बीएमआई किया गया। 14 का ब्लशड प्रेशर, 38 को शुगर, 137 एक्सकरें, एवं 101 शासकीय सेवकों की खून की जाँच की गई। इनमें से 23 शासकीय सेवकों का बीएमआई निर्धारित मानकों से अधिक पाया गया। कलेक्टर श्री चंद्रा ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट में आयोजित इस नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण कर, शासकीय सेवकों के स्वास्थ्य परीक्षण कार्य का जायजा लिया। उन्होने सभी शासकीय सेवकों से स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य करवाने की बात भी कही। साथ ही शासकीय सेवकों को अपने परिवार के सदस्यों का भी बीएमआई जाँच एवं स्वास्थ्य परीक्षण करवाने की समझाईश दी।

# क्षतिग्रस्त टूटे हुए सभी विद्युत पोल एवं तार एक सप्ताह में दुरस्त करें-चंद्रा

## उपभोक्ताओं की शिकायतों का तत्परतापूर्वक निराकरण सुनिश्चित करें, मप्रपक्षेविवि कंपनी की विभागीय समीक्षा

**नीमच, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** जिले में बारिश एवं हवा से क्षतिग्रस्ति झुके हुए, टूटे विद्युत पोल को तत्काटल बदले। नीचे लटक रहे तारों को ठीक करवाएं। जिससे, कि बारिश में विद्युत करंट से कोई जनहानि की सम्भोवना ना रहे। यदि कही ऐसी किसी प्रकार की कोई घटना होती है, तो संबंधित अधिकारी, कर्मचारी को दोषी मानकर कार्यवाही की जाएगी। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में म.प्र.प.क्षे. विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों की बैठक में विभागीय समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में अधीक्षण यंत्री श्री जयपाल ठाकुर, का.य.श्री बृजेश यादव, श्री ओपी मीना, प्रदीप डांगी मनासा एवं श्री कन्हैयालाल चौहान जावद व वितरण केंद्र प्रभारी अधिकारी

उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने विद्युत आपूर्ति संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए 1912 मोबाईल एप पर दर्ज शिकायतों, उनके निराकरण की समयावधि आदि के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि 1912 पर उपभोक्ताओं द्वारा दर्ज शिकायतों के निराकरण का रिस्पॉटन्स टाईम न्यूनतम हो। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित कर्मचारी मौके पर पहुचकर, शिकायत का तत्काल समाधान करें, जिससे कि उपभोक्ताओं को कोई असुविधा ना हो। बैठक में अधीक्षण यंत्री श्री जयपाल ठाकुर ने अवगत कराया, कि नीमच जिले में जिला मुख्यालय पर 18, तहसील मुख्यालय पर 12, ग्रामीण क्षेत्रों में 120 एवं कृषि के 215 इस तरह कुल 11केव्ही क्षमता के 365 फीडर स्थापित है। जिला मुख्यालय पर औसत 23.49 घंटे, तहसील मुख्यालय पर 23.40 घंटे, ग्रामीण घरेलु फीडर से 23.24 घंटे एवं कृषि फीडर से 9.23 घंटे विद्युत आपूर्ति की जा रही है। जिले में कुल 1460 विद्युत पोल टूटे है, इनमें से 841 विद्युत पोल बदल दिए गए है। 362 विद्युत पोल को बदलने का कार्य तेजी से जारी है, जो इस सप्ताह पूरा कर लिया जाएगा। अधीक्षण यंत्री ने अवगत कराया, कि जिले में घरेलु उपभोक्ताओं से 39.58 करोड, व्यावसायिक से 2.40 करोड, सिंचाई उपभोक्ता से 5.18 करोड इस तरह जिले में कुल 49.03 करोड का राजस्व बकाया है, जिसे वसूलने की कार्यवाही निरंतर जारी है। बैठक में अटल गृह ज्योति योजना, अटल कृषि ज्योति योजना, अ.जा., अ.ज.जा. के पम्प धारक कृषि उपभोक्ताओं के लिए नि:शुल्क विद्युत प्रदाय योजना, मुख्य मंत्री कृषक मित्र योजना, कुसुम ए एवं कुसुम सी योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने आरडीएसएस योजना अंतर्गत कराए जा रहे विद्युत आपूर्ति संबंधी विभिन्नल 74.08 करोड के कार्यो की प्रगति में तेजी लाने और भौतिक प्रगति की समय सीमा निर्धारित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

# श्रद्धांजलि सेठ अर्जुन दास जी डालवानी (1953 – 2025)

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** नगर ने एक प्रेरणास्पद व्यक्तित्व, कर्मयोगी व्यापारी और सादगी से भरे आत्मीय जन को खो दिया है। सेठ श्री अर्जुन दास जी डालवानी का जीवन संघर्ष, मेहनत और आत्मनिर्भरता की मिसाल रहा। आपने 72 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली, लेकिन अपने पीछे एक ऐसा जीवनचरित छोड गए हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

आपका जन्म वर्ष 1953 में हुआ। जीवन की प्रारंभिक अवस्था से ही कठिनाइयों को स्वीकारते हुए आपने श्रम को ही अपना धर्म बनाया। बचपन से ही जीवन को संवारने की जिद में आपने ठेला चलाया, और ईमानदारी तथा परिश्रम से अपने भविष्य की नींव रखी। वर्ष 1980 में आपने मंदसौर में पहली बार 'सुहाग महल' की स्थापना की — यह शहर की प्रथम सौंदर्य प्रसाधन की दुकान थी। उस दौर में जब कालाखेत क्षेत्र में गिनती की दुकानें थीं, तब सुहाग महल ने न केवल व्यापार का नया अध्याय लिखा, बल्कि महिलाओं की आवश्यकताओं को भी सम्मान और समर्पण के साथ पूरा किया। जल्द ही यह नाम सौंदर्य सामग्री के क्षेत्र में एक विश्वसनीय पहचान बन गया। आगे बढ़ते हुए आपने वर्ष 1997 में 'साजन सजनी रेडीमेड शोरूम' की नींव रखी। रेडीमेड कपडों का यह पहला आधुनिक शोरूम मंदसौर के व्यापारिक क्षेत्र के लिए क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया। फैशन और सुविधा को एक छत के नीचे लाकर आपने क्षेत्र के व्यवसाय को एक नई दिशा दी। आपका जीवन न केवल व्यावसायिक दृष्टि से बल्कि व्यक्तिगत जीवन में भी बेहद सौम्य, सहज और सरलता से भरा रहा। आपने कभी दिखावा नहीं किया, लेकिन आपके कार्यों ने सदैव आपकी पहचान बनाई। ग्राहकों के साथ आपका व्यवहार, आत्मीयता और ईमानदारी आज भी याद की जाती है। आपके निधन से मंदसौर ने एक ऐसा व्यापारी खो दिया, जो केवल दुकान नहीं चलाता था, बल्कि संबंधों को भी संजोता था। आपकी स्मृति, आपके द्वारा बनाए गए संस्थानों और मानवीय मूल्यों के साथ, सदैव जीवित रहेगी। आपको विनम्र श्रद्धांजलि। 'आपका जीवन संघर्ष और सफलता की एक सजीव गाथा है – जिसे मंदसौर कभी नहीं भूलेगा।'

# मेडिकल कॉलेज की नेत्र रोग विभाग टीम ने किया एम्नियोटिक मेम्ब्रेन ग्राफ्टिंग (झिल्ली) का सफल आपरेशन

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, सम्बद्ध इंदिरा गांधी चिकित्सालय, मंदसौर में अधिष्ठाता डॉ. शशि गांधी एवं सिविल सर्जन डॉ. बी. एल. रावत के मार्गदर्शन में नेत्र रोग विभाग की टीम सहायक प्राध्यापक डॉ. अंजलि दादू, सीनियर रेज़िडेंट डॉ. मितिका पाटीदार एवं सीनियर रेज़िडेंट डॉ. भावना चौधरी द्वारा पहली बार एम्नियोटिक मेम्ब्रेन ग्राफ्टिंग (झिल्ली) का ऑपरेशन किया गया। मेडिकल कॉलेज की नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अंजलि दादू ने बताया कि मरीज़ को कई वर्षों से आँख में घाव होने के कारण सफेदी एवं लालिमा बनी रहती थी। इस ऑपरेशन में झिल्ली के प्रत्यारोपण से उनकी आँख के दर्द एवं लालपन में सुधार होगा।

यह ऑपरेशन सहायक प्राध्यापक डॉ. अंजलि दादू, सीनियर रेज़िडेंट डॉ. मितिका पाटीदार एवं सीनियर रेज़िडेंट डॉ. भावना चौधरी तथा नर्सिंग स्टाफ की सहायता से सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। मेडिकल कॉलेज एवं जिला अस्पताल मंदसौर में ओपीडी सेवाओं के अलावा नेत्र रोग के अन्य ऑपरेशन जैसे मोतियाबिंद, कांचबिंद, नासूर तथा झिल्ली जैसे जटिल ऑपरेशन भी सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं। अधिष्ठाता डॉ. शशि गांधी के अनुसार अब नेत्र रोग विभाग द्वारा मोतियाबिंद, कांचबिंद तथा झिल्ली के ऑपरेशन मेडिकल कॉलेज में ही संभव हो सकेंगे। इसके लिए मरीज़ों को अब अन्यत्र भटकने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।


## कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/957/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक–11.06.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// द्वितीय सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विपुल मेहता पिता विजय मेहता निवासी दलौदा चौपाटी, तहसील दलौदा, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 09.04.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना 607/खनिज/2025 मंदसौर दिनांक 21.04.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः 01.07.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

| जिला | तहसील | ग्राम | खसरा नं. | रकबा | भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी) | खनिज का नाम | रिमार्क |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मंदसौर | मंदसौर | भावता | 840/1/2, 840/1/1/1, 847 | 2.360 है. | शासकीय | गिट्टी पत्थर, एम.सेंड एवं मुरम (क्रेशर आधारित) | --- |

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 01.07.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी

G-14306/25 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल। खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.



## कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/948/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक–11.06.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// द्वितीय सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री नरेन्द्र बैरागी पिता विष्णुदास बैरागी निवासी आंत्रीबुजुर्ग, तहसील मनासा, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 24.04.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना 659/खनिज/2025 मंदसौर दिनांक 25.04.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः 01.07.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

| जिला | तहसील | ग्राम | खसरा नं. | रकबा | भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी) | खनिज का नाम | रिमार्क |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मंदसौर | मल्हारगढ़ | बिल्लोद | 371, 386/1 373/2 | 2.210 है. | शासकीय | गिट्टी पत्थर, एम.सेंड एवं मुरम (क्रेशर आधारित) | --- |

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 01.07.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी

G-14307/25 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल। खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

# जिला कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव में बदले गणित

## कांतिलाल भूरिया की जगह राजकुमार उपाध्याय होंगे पर्यवेक्षक

**आज से शुरु होगी उठापटक, जिलाध्यक्ष को लेकर करेंगे चर्चा**



**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** मंदसौर में जिला कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव को लेकर गणित बदल गया है। इसका कारण है पर्यवेक्षक का बदलाव। जिलाध्यक्ष अध्यक्ष चयन के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक मनीष यादव, पीसीसी पर्यवेक्षक कांतिलाल भूरिया, जिला प्रभारी जयवर्द्धन सिंह और सहप्रभारी हेमंत सिंह चौहान का नाम शामिल था। सूत्रों के अनुसार स्वास्थ्य कारणों की वजह से कांतिलाल भूरिया की जगह अब पर्यवेक्षक राजकुमार उपाध्याय होंगे। इससे कहीं न कहीं अभी तक फिल्डिंग जमाकर गणित ज्ञान फीट करने वाले कई नेताओं के गणित बिगड़ने की संभावना है। वहीं जिलाध्यक्षीय चुनाव की उठापटक आज से और तेज हो जाएगी। इसका कारण है कि आज सभी पर्यवेक्षक मंदसौर पहुंचेंगे।

पर्यवेक्षक 15 जून को 12 बजे जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, विधायक, पूर्व विधायक, विधानसभा प्रत्याशी, पीसीसी पदाधिकारी, पूर्व जिलाध्यक्ष से लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ एवं महत्वपूर्ण नेताओं के साथ बैठक करेंगे। 16 जून को मल्हारगढ़ विधानसभा में मल्हारगढ़ के सभी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक फिर ब्लॉक वार व्यक्तिगत कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। इसी तरह 17 जून को मंदसौर विधानसभा की तीन बैठक होगी। दो कांग्रेस कार्यालय पर 11 और 01 बजे वहीं तीसरी बैठक दलौदा ब्लॉक के कार्यकर्ताओं के साथ चार बजे नांदवेल में होगी। इसके बाद 18 जून को सुवासरा विधानसभा में पोरवाल मांगलिक भवन सुवासरा में 11 ओर 02 बजे बैठक होगी। वही 19 जून को गरोठ विधानसभा के दूधाखेड़ी में दो बैठकें 11 और 02 बजे होगी।

## छः किसानों से नरवाई जलाने पर 15 हजार रुपए का अर्थ दंड वसूल किया

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** मध्यप्रदेश शासन पर्यावरण विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा 1981 की धारा 19 (5) के तहत गेहूं/धान अवशेषों को खेतों में ही जलाये जाने पर प्रतिबंधित किया गया है। जो भी व्यक्ति/संस्था यदि ऐसा करते पाए जाते है तो उसे माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार पर्यावरण मुआवजा अदा करना होगा।

अनुविभागीय अधिकारी द्वारा मंदसौर जिले के क्षेत्र के 6 किसानों ने गेहूं फसल की खेतों में नरवाई/पराली जलाने पर 15 हजाररुपए का अर्थ दंड वसूल किया गया। जिसमें निवासी करनाखेडी के रमेश, निवासी खजुरी आंजना के शंकरलाल, देवराम, सत्यनारायण, निवासी बाग्या के लक्ष्मण सिंह, निवासी मंदसौर के विक्रम सिंह पर 2500- 2500 रुपये की राशि आर्थिक दण्ड अधिरोपित की गई।



# अहमदाबाद विमान हादसे में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिये नपा परिषद ने श्रद्धांजलि दी

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** गुजरात के अहमदाबाद नगर में प्लेन क्रैश (विमान हादसे) में मृतक हुए 265 विमान यात्रियों व अन्य मेडिकल स्टॉफ के दुखद निधन पर कल शुक्रवार को नपा सभागृह में नगरपालिका परिषद के द्वारा दिवंगत आत्मा की शांति के लिये दो मिनिट का मौन रखा गया। नगरपालिका कार्यालय में कार्यरत सभी नगरपालिका कर्मचारियों ने जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजली दी।

नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने इस मौके पर कहा कि गुजरात के अहमदाबाद में जो यह दुखद हादसा हुआ है उसके कारण सभी को दुख है। इस विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी सहित कुल 241 विमान यात्री व 24 अन्य यात्रियों के दिवंगत होने का समाचार मन को पीड़ा देने वाला है। मंदसौर नगरपालिका परिषद सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला, रेडक्रॉस के पूर्व चेयरमैन प्रीतेश चावला, सभापतिगण श्रीमती निर्मला चंदवानी, निलेश जैन, सत्यनारायण भांभी, दीपमाला मकवाना, पार्षद सुनील बंसल, श्रीमती भारती पाटीदार, आशीष गौड एडवोकेट, सुनीता भावसार, ईश्वरसिंह चौहान एडवोकेट, गोवर्धन कुमावत, पार्षद प्रतिनिधि अमन फरक्या, राजेश सोनी ऐरावाला, भाजपा नेता राजेश गुर्जर एवं नपा कार्यालय अधीक्षक अजय मारोठिया सहित नपा के अधिकारीगण व कर्मचारीगणों ने भी दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

**ग्राम बाबूखेड़ा पहुंचकर स्व. श्री कृष्णपालसिंह को नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने श्रद्धासुमन अर्पित किये-** झारखण्ड के कोडरमा जिले में मंदसौर जिले के बाबूखेड़ा निवासी स्व. श्री कृष्णपालसिंह जो कि भारतीय सेना में कार्यरत थे। उनके दुखद निधन पर मंदसौर नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने मल्हारगढ़ तहसील के ग्राम बाबूखेड़ा पहुंचकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर नपा सभापति श्री निलेष जैन ने भी उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये।

# मध्य प्रदेश पुरुष हॉकी अकादमी के लिए टैलेंट सर्च 16 को

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित पुरुष हॉकी अकादमी भोपाल के लिए पुरुष हॉकी खिलाडियों के ट्रायल मंदसौर में 16 जून को आयोजित होगी।

यह जानकारी जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा ने देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश पुरुष हॉकी एकेडमी हेतु ट्रायल मंदसौर हॉकी टर्फ मैदान पर 16 जून को शाम 4:00 बजे मुख्य प्रशिक्षक मध्य प्रदेश अकैडमी एवं पूर्व ओलंपियन समीर दाद के निर्देशन में होगी। ट्रायल में चयनित खिलाड़ी को मध्य प्रदेश राज्य हॉकी एकेडमी में प्रशिक्षण का मौका मिलेगा तथा खिलाड़ी को समस्त सुविधा जैसे खेल प्रशिक्षण शिक्षा, रहना, खेल सुविधा सभी मध्य प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क वहन करेगी। इस चयन प्रक्रिया में 10 से 16 वर्ष का कोई भी हॉकी खिलाडी ट्रायल दे सकता है इच्छुक खिलाड़ी अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं या हॉकी टर्फ मैदान एम आई टी चौराह मन्दसौर पर अपनी उपस्थिति देकर चयन प्रक्रिया में भाग ले सकता हे। प्रक्रिया में भाग लेने वाले खिलाड़ी जन्मतिथि संबंधित दस्तावेज जैसे जन्म प्रमाण पत्र , मार्कशीट एवं आधारकार्ड अवश्य लाएं।

# पीजी डिप्लोमा इन टीचिंग इंग्लिश पाठ्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र अंतर्गत आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित एक वर्षीय सेवाकालीन प्रशिक्षण पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन टीचिंग इंग्लिश, पाठ्यक्रम का नवीन सत्र एक जुलाई, 2025 से भोपाल में प्रारंभ हो रहा है। वांछित योग्यता रखने वाले शिक्षक अपने आवेदन ऑनलाइन rsk.mponline.gov.in के माध्यम से 25 जून तक प्रेषित कर सकते हैं।

इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को अंग्रेजी भाषा शिक्षण की नवीन पद्धतियों, नवाचारों व भाषा के विभिन्न कौशलों से अवगत कराया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद इन शिक्षकों को अपने विद्यालयों में बेहतर अंग्रेजी भाषा शिक्षण एवं विभिन्न स्तरों पर आवश्यकतानुसार शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यपुस्तक लेखन एवं सामग्री निर्माण के कार्यों में भी नियोजित किया जाता है। प्रदेश के शासकीय माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ ऐसे योग्य व्याख्याता, उच्च श्रेणी शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक, जो न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों से अंग्रेजी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि रखते हों तथा जिनकी आयु एक जुलाई, 2025 को 50 वर्ष से अधिक न हो एवं जिनके पास कम से कम एक वर्ष का अंग्रेजी अध्यापन का अनुभव हो वह निर्धारित समयावधि में आवेदन कर सकते है। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से सम्बद्ध यह पाठ्यक्रम इस वर्ष एक जुलाई, 2025 से 30 अप्रैल, 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इनमें से प्रत्येक जिले से दो आवेदकों को स्क्रूटिनी के बाद प्रवेश दिया जायेगा। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारी और सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को इस संबंध में निर्देश दिये हैं।

# विद्यार्थी अपनी मर्जी से तय कर सकेंगे 'तारीख' और 'सेंटर'

**भोपाल, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** साल में दो परीक्षाओं के बाद स्कूली शिक्षा में एक और प्रयोग सामने आया है। विद्यार्थी अपनी मर्जी से परीक्षा की तारीख और सेंटर का चुनाव कर सकेंगे। राज्य ओपन बोर्ड की परीक्षा ऑनलाइन डिमांड योजना के तहत यह संभव हो रहा है। तनाव को कम करने के लिए परीक्षा में लचीलापन लाने के लिए इसकी शुरुआत हुई है। करीब तीन हजार विद्यार्थी योजना के तहत इस साल परीक्षा में शामिल हो रहे हैं।

मध्यप्रदेश में कक्षा पांचवीं से लेकर बारहवीं तक राज्य ओपन स्कूल परीक्षाओं का आयोजन कराता है। करीब पचास हजार विद्यार्थी इस साल परीक्षा में शामिल हुए। बोर्ड ऐसे स्टूडेंट की परीक्षा कराता है जो नियमित रूप से स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। इसके लिए यहां तीन योजनाओं के तहत मुख्य रूप में पढ़ाई हो रही है। इनमें से एक परीक्षा ऑनलाइन डिमांड के तहत विद्यार्थी अपनी मर्जी से तारीख का चयन कर सकता है।

### परीक्षा कराने वाले अभी तीन बोर्ड...

दसवीं और बारहवीं की परीक्षा कराने प्रदेश में तीन बोर्ड है। माध्यमिक शिक्षा मंडल प्रदेश स्तर पर आयोजन कराता है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल राष्ट्रीय स्तर पर है। राज्य ओपन बोर्ड ऐसे विद्यार्थी के लिए जो स्कूल नहीं जा सकते हैं। वहीं इन दोनों बोर्ड में जो स्टूडेंट फेल हो वे भी यहां से परीक्षा दे सकते हैं।

### इनका कहना...

विद्यार्थी अपनी मर्जी से परीक्षा तारीख चुन सकते हैं। उस तारीख पर बोर्ड परीक्षा आयोजन के इंतजाम कराता है। यह परीक्षा ऑनलाइन डिमांड के तहत संभव है। परीक्षा तनाव को कम करना इसका मुख्य उद्देश्य है।

**पीआर तिवारी, संचालक राज्य ओपन बोर्ड भोपाल**

# आबकारी विभाग द्वारा काचरिया फंटा टोल टेक्स के पास 10 पेटी देशी शराब जप्त की



**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** जिला आबकारी अधिकारी बी.एल. दॉगी द्वारा बताया गया कि सीतामउ-सुवासरा रोड काचरिया फंटा टोल टेक्स के पास एक अल्टोकार क्रमांक-35 सीए-2332 को रोक कर वाहन की विधिवत तलाशी लेते वाहन से 10 पेटी देशी मदिरा बरामद हुई जिसे जप्त कर वाहन चालक राजपाल सिंह निवासी ग्राम महुआ को गिरफ्तार कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत् प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपी से पूछताछ जारी है। जप्त मदिरा एवं वाहन का अनुमानित बाजार मूल्य 2 लाख 41 हजार रूपये है। कार्यवाही के दौरान आबकारी उप निरीक्षकश्री राजेन्द्र सिंह गरवाल, आरक्षकगण श्री चेतन राठौर, श्री रवि राठौर, श्री कपील मारू मौजूद थे । अवैध रूप से मदिरा की बिकी, परिवहन, संग्रहण आदि पर रोक लगाने हेतु आबकारी विभाग की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

# नाबालिग दस्तयाब, अपहरण करने वाले को भेजा जैल

**पिपलियामंडी, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** नाबालिग को भगा ले जाने वाले आरोपी को कोर्ट ने जेल भेजने के आदेश दिए। जानकारी के अनुसार 2 जून को पिपलिया थाने पर नाबालिग बालिका की गुमशुदगी दर्ज हुई थी। मामले में पुलिस ने बालिका के फर्जी दस्तावेज तैयार कर शादी कराने वाले चीताखेड़ा (बघाना, नीमच) निवासी पंकज पिता देवीलाल रैगर को गिरफ्तार किया था। जिसे 9 जून को जेल भेजने के आदेश हुए थे। बाद में अपहृत हुई बालिका को भी चित्तोड़गढ़ से दस्तयाब कर लिया। बालिका को भगा ले जाने वाले बघाना नीमच निवासी विष्णु उर्फनाना मेघवाल को भी गिरफ्तार किया। टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जिसे जेल भेजने के आदेश दिए।

# फर्जी दस्तावेज तैयार कर शादी करवाने वाले को भेजा जैल

**पिपलियामंडी, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** फर्जी दस्तावेज तैयार करवाकर नाबालिग की शादी कराने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया, जिसे कोर्ट ने जेल भेजने के आदेश दिए। जानकारी के अनुसार कुछ दिनों पूर्व गांव बही पार्श्वनाथ से एक नाबालिग बालिका की गुमशुदगी दर्ज हुई थी। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि चीताखेड़ा, हाल मुकाम बघाना नीमच निवासी पंकज (24) पिता देवीलाल रैगर ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर नाबालिग की विष्णु नामक युवक से शादी करवाई थी। इसके बाद पिपलियामंडी पुलिस ने आरोपी पंकज को गिरफ्तार किया। जिसे कोर्ट ने जेल भेजने के आदेश दिए।

# डेयरी विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय समिति गठित

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** राज्य शासन द्वारा एमपी स्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच में सहकार्यता अनुबंध के उद्देश्यों की पूर्ति और डेयरी विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। समिति के उपाध्यक्ष मंत्री पशुपालन एवं डेयरी विकास और सहकारिता मंत्री होंगे। समिति में सदस्य के रूप में मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, अपर मुख्य सचिव सहकारिता, अध्यक्ष एनडीडीबी, प्रमुख सचिव वित्त विभाग, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, प्रबंध संचालक एवं कार्यकारी निदेशकगण एनडीडीबी तथा संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग को शामिल किया गया है। समिति के सदस्य सचिव प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश राज्य को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन होंगे।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के हित में एवं सहकारी प्रणाली और सांची ब्रांड का उन्नयन करने के उद्देश्य से पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं सम्बद्ध दुग्ध संघ के संचालन एवं प्रबंधन के लिए सहकारिता अनुबंध पर सहमति दिए जाकर अनुबंध निष्पादन किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। इस संबंध में अप्रैल माह में सहकार्यता अनुबंध निष्पादित किया गया था। राज्य स्तरीय समिति का मुख्य कार्य डेयरी विकास योजना की प्रगति की समीक्षा एवं अनुश्रवण तथा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए नीति निर्धारण, आवश्यक सहायता व दिशा निर्देश प्रदान करना है।



## बिना मुण्डेर का कुआ दे रहा हादसे को आमंत्रण

**पिपलियामंडी, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** क्षेत्र में बिना मुण्डेर के कुए में वाहन गिरने से हादसे में गई 12 लोगों मौतों की मौत के बाद भी क्षेत्र में बिना मुण्डेर के कुओं पर मुण्डेर नही बनाई गई है। जिससे फिर कभी भी हादसा हो सकता है। मंदसौर के एडीफाय स्कूल के पीछे बंशी हर्बल के पास साबाखेड़ा रोड पर सड़क के पास बना बिना मुण्डेर का कुआ हादसे को आमंत्रण दे रहा है। मार्ग पर फेक्ट्रियां होने से दिनभर वाहनों आवागमन रहता है, जिससे कभी भी हादसा हो सकता है।

# जीवन को उत्सव बनाने की विधि राजयोग सीखने के लिए विशेष शिविर कल से

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** तनाव मुक्त जीवन शैली, मन की एकाग्रता और जीवन को उत्सव बनाने की विधि राजयोग सीखने के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय साधना केंद्र आत्म कल्याण भवन तलेरा विहार पर राजयोगिनी सोनाली बहन देवास प्रतिदिन राजयोग का अभ्यास कर रही है 15 जून तक आयोजित इस विशेष शिविर में शहरवासी लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

यह जानकारी देते हुए आत्म कल्याण भवन की संचालिका बीके उषा दीदी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय ख्यातनाम मोटिवेशनल स्पीकर ईवी गिरीश भाई मुम्बई ने पांच दिनों तक जीवन को खुशियों से भरने की कला सिखाई और बताया कि जीवन को उत्सव बनाने का मूल मंत्र राजयोग है जिसके माध्यम से हम अपने मन को एकाग्र कर आत्मा को परमात्मा से जोड सकते हैं अपने दैनन्दिनी कार्यों को करते हुए भी जीवन को तनाव मुक्त बनाकर जीवन को उत्सव बना बना सकते हैं इसकी विधि राजयोग है। राजयोग का अभ्यास कराने के लिए आत्मकल्याण भवन तलेरा विहार पर प्रतिदिन सुबह और शाम 7.30 बजे 8.30 बजे तक विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे राजयोगिनी सोनाली बहन देवास राजयोग की विधियों का अभ्यास करा रही है। बीके उषा ने बताया कि राजयोगिनी सोनाली बहन भी प्रख्यात ट्रेनर है जिन्होंने अपनी 25 वर्षो से भी अधिक समय की राजयोग साधना में विभिन्न कॉरपोरेट संस्थानों, अनेक संस्थाओं समेत हजारों लोगों को राजयोग की साधना करवा कर उनके जीवन को उत्सव बनाया है। ब्रह्माकुमारी बहनों ने शहरवासियों से आव्हान किया कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकरइस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाएं और राजयोग साधना की विधि जानकर अपने जीवन को उत्सव बनाएं।

## प्रधानमंत्री के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया अभियान आधुनिक भारत की जीवन रेखा बन चुका है-मुख्यमंत्री

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भारत को प्रौद्योगिकी, कनेक्टिविटी और नवाचार की क्रांति का वैश्विक केंद्र-बिंदु बनाने के लिए संपूर्ण प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजनरी नेतृत्व में 'डिजिटल इंडिया' अभियान आधुनिक भारत की जीवन-रेखा बन चुका है। आज गांव हो या शहर, देश का हर कोना डिजिटल युग से कदमताल कर रहा है। बीते 11 वर्षों में, देश में डिजिटल इंडिया के माध्यम से ई-गवर्नेन्स, पारदर्शिता और जवाबदेही की नई परिभाषा लिखी गई है। इसकेपरिणाम स्वरूप योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ अब सीधे आमजन तक पहुंच रहा है, बिचौलियों और भ्रष्टाचार को मात मिली है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि सभी नागरिकों को गर्व है कि वैश्विक स्तर पर रियल टाइम डिजिटल लेन-देन में आज भारत की भागीदारी 49 प्रतिशत तक पहुंच गई है।



# नपा परिषद द्वारा लगातार की जा रही है बड़े नालों की सफाई

**मंदसौर, 13 जून गुरु एक्सप्रेस।** नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, स्वास्थ्य समिति के सभापति श्रीमती दीपमाला रामेश्वर मकवाना के निर्देश पर ग्रीष्म ऋतु में वर्षा का दौर प्रारंभ होने के पूर्व नगर के बड़े नालों की लगातार सफाई की जा रही है। नपाध्यक्ष व सभापति के निर्देश पर रेल्वे स्टेशन से लेकर आर.आर.बी. फेक्ट्री तक बड़े नालजे की सफाई की गई तथा यहां निकले मलबे को भी हटाया गया। हनुमान नगर के मध्य में स्थित खुले नाले की भी सफाई की गई। इसके साथ ही मदारपुरा इमाम बाडे के पास स्थित बड़े नाले की भी सफाई की जा रही है। नपा परिषद संजीत रोड ओवरब्रीज के नीचे रोड के दोनों साईड में जो बड़े नाले है उनकी भी सफाई का कार्य करा रही है। नपा स्वास्थ्य अधिकारी हेमचंद शर्मा व गैरेज सहायक जाकिर भाई लगातार इस कार्य की मॉनिटरिंग कर रहे है।


## कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन उपसंभाग, सुवासरा, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

पत्र क्रमांक-192/राजस्व/2025 सुवासरा, दिनांक-09.06.2025

****** विज्ञप्ति ******

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चौथखेड़ी तालाब, बहीखेड़ा तालाब एवं मुंदड़ी तालाब तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर पर निम्न तालिका में दर्शायी गई सम्पत्ति (वृक्षों) को विक्रय किया जाना है। इस कार्य हेतु दिनांक 20.06.2025 से 24.06.2025 तक मुहर बंद लिफाफे में नीलामी की बोली कार्यालय कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग मंदसौर (म.प्र.) में आमंत्रित की जावेगी। नीलामी की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण तिथियां निम्नानुसार है-

| स.क्रं. | बोली आमंत्रण में की जाने वाली कार्यवाही का विवरण | शुरु होने की दिनांक एवं समय | समाप्त होने की दिनांक एवं समय | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|
| 1 | बोली हेतु फार्म प्राप्त करना | 23.06.2025 प्रातः 10.30 बजे से | 26.06.2025 शाम 05.00 बजे तक | बोली हेतु फार्म कार्यालयीन समय में प्रातः 10.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक ही प्राप्त किये जा सकेंगे |
| 2 | मुहरबंद लिफाफे में बोली जमा कराना | 23.06.2025 प्रातः 10.30 बजे से | 27.06.2025 दोपहर 03.00 बजे तक | मुहरबंद लिफाफे कार्यालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से शाम 5 बजे एवं दिनांक 24.06.2025 को दोपहर 3.00 बजे तक ही जमा किये जावेंगे। |
| 3 | मुहर बंद लिफाफे को खोलना | 27.06.2025 दोपहर 3.30 बजे के पश्चात | 27.06.2025 दोपहर 3.30 बजे के पश्चात | ----------- |

इच्छुक व्यक्ति नियत स्थान पर उपस्थित होकर वृक्षों का विवरण प्राप्त कर निर्धारित तिथि एंव समय को मुहर बंद लिफाफे में अपनी बोली जमा कर सकता है। नीलामी समय समाप्ति होने के पश्चात किसी भी किस्म की आपत्ति एंव बोली मान्य न की जावेगी।

नीलामी हेतु शर्ते निम्नानुसार है।

1. नीलामी शर्ते के अन्तर्गत होगा। वह कार्यालय के कार्यालयीन समय तथा निलाम के समय देखने को मिल सकती है। 2. नीलामी हेतु शासकीय बोली रू. 315785.00 (शब्दों में रूपये तीन लाख पन्द्रह हजार सात सौ पिच्यासी मात्र) है। 3. नीलामी में भाग लेने के पूर्व अमानत राशि रूपये 5000/- एडवांस के रूप में जमा करनी होगी, जिसके प्रश्चात ही मुहर बंद लिफाफे में बोली प्रस्तुत करने हेतु फार्म उपलब्ध किया जावेगा। 4. इस नीलामी में ठेका लेने वाले ठेकेदार को जो स्वत्व प्राप्त होंगे, वह बिना किसी सूचना दिये दिनांक 25.07.2025 को स्वत: ही समाप्त हो जावेगी। 5. मुहर बंद लिफाफे में प्रस्तुत बोलीयों में से उच्तम बोली ही स्वीकृत की जावेगी। स्वीकृति पश्चात् बोलीकर्ता को पुरी स्वीकृत रकम दिनांक 25.06.2025 को शाम 06:00 बजे के पूर्व जमा करना होगी न जमा करने पर अमानत राशि की रकम उसी समय राजसात कर ली जावेगी। एंव द्वितिय उच्तम बोलीकर्ता को कार्य आंवटित किया जावेगा। 6. नीलामी में सरकारी बोली से कम की बोली स्वीकार्य योग्य नहि होगी। 7. नीलामी स्वीकृत होने के 30 दिवस के भीतर सभी वृक्षों की कटाई करना अनिवार्य होगा। 8. नीलामी स्वीकृत होने वाले व्यक्ति को ही वृक्ष कटाने एवं परिवहन की स्वीकृति संबंधित विभाग से प्राप्त करना होगी। 9. नीलामी हेतु स्वीकृत राशि पर 4 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी देय होगी। 10. वृक्षों की विस्तृत जानकारी कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन उपसंभाग सुवासरा (केम्प ऑफिस, मन्दसौर) से प्राप्त की जा सकेगी। 11. नीलामी से संबधित अन्य शर्ते एंव जानकारी कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन उपसंभाग सुवासरा (केम्प ऑफिस, मन्दसौर) में कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है। 12. नीलामी प्रक्रिया के समस्त अधिकार अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन उपसंभाग, सुवासरा के पास सुरक्षित रहेंगें। नीलामी प्रक्रिया के दौरान अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन उपसंभाग, सुवासरा का निर्णय अंतिम एवं बंधनकारी होगा, जिस पर, किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति स्वीकार नही होगी। 13. नीलामी हेतु वृक्षों का विवरण निम्नानुसार है :-

| स.क्र. | तालाब का नाम जिस पर स्थित वृक्षों को विक्रय किया जाना है | वृक्षों का विवरण अनुमानित संख्या | विवरण न्यूनतम शासकीय बोली |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | चौथखेड़ी तालाब के पाल पर आने वाले पेड़ | 73 | रु. 115312 |
| 2 | मुंदेड़ी तालाब के पाल पर आने वाले पेड़ | 92 | रु. 171246 |
| 3 | बहीखेड़ा तालाब के पाल पर आने वाले पेड़ | 64 | रु. 29227 |
|  | महायोग | 229 | रु. 315785 |

नीलामी हेतु सरकारी बोली रुपए. 315785.00 (शब्दों में रुपये तीन लाख पंद्रह हजार सात सौ पिच्यासी मात्र) है।

G-14308/25 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

समरथ पंवार
अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन उपसंभाग, सुवासरा



## कार्यालय पंजीयन प्राधिकरण एवं जिला परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक- मंदसौर, दिनांक-

**विज्ञप्ति**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कपिल बैरागी सत्यनारायणजी रलायता मंदसौ मंदसौर आधार कार्ड के अनुसार मेरा नाम ड्रायविंग लायसें स में परिवर्तन करवाना चाहता हूं।

इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो तो वो विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा व नाम परिवर्तन कर दिया जावेगा।

| गलत नाम | सही नाम |
|---|---|
| KAPIL BAIRAGI | KAPIL DAS |

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर



## A JAY SENDHAV A DV0 C AT E

Office: 12, Chamunda Complex, Dewas Dist- Dewas (M.P.) 455001 Email: as71708@gmail.com Mob. No.- 97534-41943 Residence: 613, LIG III Mukharji Nagar, Dewas Dist- Dewas (M.P.) 455001 Mob. No. 93000-30939

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री श्याम लाल पिता श्री कारु लाल जी, निवासी – ग्राम पाड़लिया मारु, तहसील मंदसौर, जिला मंदसौर (म.प्र.) के द्वारा उनके मालीकी, आधिपत्य एवम कब्जे की सम्पत्ति जो की मकान/भूखंड क्रमांक. 37, वार्ड क्रमांक 02, ग्राम पाडलिया मारु, तहसील मंदसौर, जिला मंदसौर (म.प्र.) प.ह. क्रमांक. 95, जिसका कुल क्षेत्रफल- 2850 Sq. Ft. (264.86 Sq. Mtr.) है उस पर अपनी पत्नी श्रीमती कंकू बाई पति श्री श्याम लाल, निवासी – ग्राम पाड़लिया मारु, तहसील मंदसौर, जिला मंदसौर (म.प्र.) को सह- स्वामी बनाया गया है, जिसका ई-पंजीयन दस्तावेज (E-REGISTERED CO-OWNERSHIP DEED) क्रमांक- MP249392023A11403782, दिनांक - 25.01.2023 है, तथा उक्त संपत्ति को मॉर्गेज (MORTGAGE) किया जा रहा है व उस पर (INDIA SHELTER FINANCE CORPORATION LIMITED) से लोन लिया जा रहा है।

यह की उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी अन्य व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का किसी भी प्रकार का कोई ऋण, भार या आपत्ति हो तो उक्त जाहीर सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस मे मय दस्तावेजी प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर आपत्ति प्रस्तुत करे, उपरोक्त अवधि के पश्चात किसी भी उजर आपत्ति मान्य नहीं होगी सूचित हो।

देवास
दिनांक : 13.06.2025

अजय सेंधव, एडवोकेट
12, चामुण्डा काम्पलेक्स, देवास (म.प्र.)



## कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)

दिनांक- 13.06.2025

*****जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शहनाज बी पति रसीद भाटी जाति मुसलमान, निवासी बड़ी मस्जिद के पास, खानपुरा मोहल्ला, मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का आवासीय पतरा पोश कच्चा मकान जो मकान नंबर-187 का भाग होकर वर्तमान गाईड लाईन अनुसार वार्ड नंबर-30, हलकारा की गली, नीलगर खरंजा, मंदसौर में स्थित है, जिसको विधिवत रजिस्टर्ड विक्रय पत्र ई-पंजीकरण क्रमांक-एमपी 249392023ए12318463 दिनांक 31.08.2023 को निसार एहमद पिता शकूर मोहम्मद जाति मुसलमान, निवासी नीलगर खरंजा, मंदसौर से क्रय किया था। उक्त मकान की चर्तु:सीमा व पैमाईश निम्नवत है-

चर्तु सीमा- पूर्व में- लाल मोहम्मद का मकान , पश्चिम में – इसी मकान का शेष भाग, उत्तर में- आम रास्ता, , दक्षिण में-मंदिर की जमीन, पैमाईश पूर्व से पश्चिम 16 फीट तथा उत्तर से दक्षिण 44.5 फीट है। कुल क्षेत्रफल 712 वर्गफीट या 66.14 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर शहनाज बी पति रसीद भाटी जाति मुसलमान, द्वारा एच.डी.वी. फायनेशियल सर्विसेस लिमिटेड शाखा मंदसौर से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो या कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 3 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर


स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in